महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE

हिंदी के वैश्विक प्रसार के लिए कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा को मिला अंतरराष्ट्रीय प्रेमचंद सम्मान

भारतीय-नार्वेजीय सूचना एवं सांस्कृतिक फोरम, नार्वे ने किया सम्मानित

साहित्य, पत्रकारिता, शिक्षा और हिंदी के अंतरराष्ट्रीय संवर्धन में योगदान को मिली वैश्विक पहचान

वर्धा, 3 अगस्त 2026: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा की कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा को साहित्य, पत्रकारिता, शिक्षा और हिंदी भाषा के अंतरराष्ट्रीय प्रचार-प्रसार में उनके विशिष्ट एवं बहुआयामी योगदान के लिए 'अंतरराष्ट्रीय प्रेमचंद सम्मान-2026' से सम्मानित किया गया है। भारतीय-नार्वेजीय सूचना एवं सांस्कृतिक फोरम, नार्वे ने महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में 02 अगस्त 2026 को यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया। यह सम्मान विश्व स्तर पर हिंदी भाषा, भारतीय साहित्य और सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को प्रदान किया जाता है। प्रो. कुमुद शर्मा ने शिक्षा, साहित्य, पत्रकारिता और सांस्कृतिक विमर्श के क्षेत्र में अपने दीर्घकालीन कार्यों के माध्यम से हिंदी को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय ने भारतीय ज्ञान परंपरा, हिंदी भाषा, अनुवाद, शोध, प्रकाशन तथा अंतरराष्ट्रीय अकादमिक सहयोग के क्षेत्र में अनेक उल्लेखनीय पहल की हैं, जिनकी देश-विदेश में सराहना हुई है।

भारतीय-नार्वेजीय सूचना एवं सांस्कृतिक फोरम, नार्वे एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक संस्था है, जो भारत और नार्वे के साथ-साथ विभिन्न देशों की संस्कृतियों के बीच संवाद और सहयोग को सुदृढ़ करने का कार्य करती है। संस्था भारतीय भाषाओं, साहित्य, कला और संस्कृति को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित करने तथा विभिन्न देशों के बीच सांस्कृतिक सेतु का निर्माण करने के उद्देश्य से निरंतर सक्रिय है।

फोरम की स्थापना वर्ष 1988 में नार्वे की राजधानी ओस्लो में भारतीय एवं नार्वेजीय लेखकों तथा भारतीय दूतावास के सहयोग से हुई थी। स्थापना के बाद से संस्था साहित्य, संस्कृति, शिक्षा और अंतरराष्ट्रीय संवाद के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही है। प्रेमचंद के नाम पर दिया जाने वाला यह सम्मान संस्था के सबसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सम्मानों में शामिल माना जाता है।

प्रो. कुमुद शर्मा को यह सम्मान मिलने की सूचना मिलते ही महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय परिसर में हर्ष और गौरव का वातावरण व्याप्त हो गया। विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने इसे विश्वविद्यालय ही नहीं, बल्कि हिंदी जगत के लिए भी गौरव का विषय बताया। यह सम्मान इस बात का भी प्रमाण है कि हिंदी आज विश्व पटल पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है और भारतीय भाषाओं तथा संस्कृति के प्रति अंतरराष्ट्रीय समुदाय की रुचि निरंतर बढ़ रही है।

हिंदीच्या जागतिक प्रसारासाठी कुलगुरू प्रो. कुमुद शर्मा यांना आंतरराष्ट्रीय प्रेमचंद पुरस्कार

इंडो-नॉर्वेजियन इन्फॉर्मेशन अँड कल्चरल फोरम, नॉर्वेकडून सन्मान

साहित्य, पत्रकारिता, शिक्षण आणि हिंदीच्या आंतरराष्ट्रीय संवर्धनातील योगदानाला जागतिक मान्यता

वर्धा, ३ ऑगस्ट २०२६ : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धेच्या कुलगुरू प्रो. कुमुद शर्मा यांना साहित्य, पत्रकारिता, शिक्षण आणि हिंदी भाषेच्या जागतिक प्रसारासाठी दिलेल्या उल्लेखनीय आणि बहुआयामी योगदानाबद्दल आंतरराष्ट्रीय प्रेमचंद पुरस्कार–२०२६ प्रदान करण्यात आला आहे. हा प्रतिष्ठित पुरस्कार २ ऑगस्ट २०२६ रोजी प्रसिद्ध साहित्यिक मुंशी प्रेमचंद यांच्या जयंतीनिमित्त आयोजित कार्यक्रमात इंडो-नॉर्वेजियन इन्फॉर्मेशन अँड कल्चरल फोरम, नॉर्वे यांच्यातर्फे प्रदान करण्यात आला.

हिंदी भाषा, भारतीय साहित्य आणि सांस्कृतिक मूल्यांच्या जागतिक प्रसारासाठी उल्लेखनीय कार्य करणाऱ्या व्यक्तींना हा पुरस्कार प्रदान केला जातो. शिक्षण, साहित्य, पत्रकारिता आणि सांस्कृतिक चिंतनाच्या क्षेत्रात दीर्घकाळ केलेल्या कार्यातून प्रो. कुमुद शर्मा यांनी हिंदीची जागतिक प्रतिष्ठा वृद्धिंगत करण्यात महत्त्वपूर्ण भूमिका बजावली आहे. त्यांच्या नेतृत्वाखाली महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाने भारतीय ज्ञानपरंपरा, हिंदी भाषा अध्ययन, अनुवाद, संशोधन, प्रकाशन आणि आंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहकार्य या क्षेत्रांत अनेक उल्लेखनीय उपक्रम राबवले असून त्यांना देश-विदेशात व्यापक प्रशंसा मिळाली आहे.

इंडो-नॉर्वेजियन इन्फॉर्मेशन अँड कल्चरल फोरम ही एक प्रतिष्ठित आंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक संस्था असून भारत, नॉर्वे आणि इतर विविध देशांच्या संस्कृतींमधील संवाद व सहकार्य दृढ करण्यासाठी ती कार्यरत आहे. भारतीय भाषा, साहित्य, कला आणि संस्कृतीचा जागतिक स्तरावर प्रसार करणे तसेच विविध राष्ट्रांमध्ये सांस्कृतिक सेतू निर्माण करणे हे संस्थेचे प्रमुख उद्दिष्ट आहे.

भारतीय आणि नॉर्वेजियन साहित्यिक तसेच भारताच्या दूतावासाच्या सहकार्याने १९८८ मध्ये नॉर्वेची राजधानी ओस्लो येथे या संस्थेची स्थापना झाली. स्थापनेपासून साहित्य, संस्कृती, शिक्षण आणि आंतरराष्ट्रीय संवाद या क्षेत्रांत संस्थेने उल्लेखनीय कार्य केले आहे. प्रेमचंद यांच्या नावाने दिला जाणारा हा पुरस्कार संस्थेच्या सर्वात प्रतिष्ठित आंतरराष्ट्रीय सन्मानांपैकी एक मानला जातो.

या पुरस्काराच्या घोषणेमुळे महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय परिसरात आनंद आणि अभिमानाचे वातावरण निर्माण झाले आहे. विद्यापीठातील प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी आणि विद्यार्थ्यांनी हा सन्मान केवळ विश्वविद्यालयासाठीच नव्हे तर संपूर्ण हिंदी समाजासाठी अभिमानाची बाब असल्याचे म्हटले आहे. हा सन्मान हिंदी भाषेला मिळत असलेल्या वाढत्या जागतिक मान्यतेचे आणि भारतीय भाषा व संस्कृतीबद्दल वाढत असलेल्या आंतरराष्ट्रीय आकर्षणाचेही प्रतीक आहे.

Vice-Chancellor Prof. Kumud Sharma Receives International Premchand Award for the Global Promotion of Hindi

*** Honoured by the Indo-Norwegian Information and Cultural Forum, Norway**

*** Global recognition for contributions to literature, journalism, education, and the international advancement of Hindi**

Wardha, August 3, 2026: Prof. Kumud Sharma, Vice-Chancellor of the Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha, has been conferred the International Premchand Award–2026 in recognition of her distinguished and multifaceted contributions to literature, journalism, education, and the

international promotion of the Hindi language. The prestigious award was presented by the Indo-Norwegian Information and Cultural Forum, Norway, on August 2, 2026, during a programme organized on the occasion of the birth anniversary of the legendary writer Munshi Premchand.

The award is presented to individuals who have made remarkable contributions to the promotion of Hindi, Indian literature, and cultural values at the global level. Through her long-standing work in the fields of education, literature, journalism, and cultural discourse, Prof. Kumud Sharma has played a significant role in enhancing the global stature of Hindi. Under her leadership, the Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya has undertaken several noteworthy initiatives in the areas of Indian knowledge traditions, Hindi language studies, translation, research, publications, and international academic collaboration, earning appreciation both in India and abroad.

The Indo-Norwegian Information and Cultural Forum is a distinguished international cultural organization that works to strengthen dialogue and cooperation among the cultures of India, Norway, and various other countries. The organization remains actively engaged in promoting Indian languages, literature, art, and culture on the global stage and in building cultural bridges among nations.

The Forum was established in 1988 in Oslo, the capital of Norway, with the cooperation of Indian and Norwegian writers and the Embassy of India. Since its inception, the organization has carried out notable work in the fields of literature, culture, education, and international dialogue. The award named after Premchand is regarded as one of the Forum’s most prestigious international honours.

The announcement of this award brought a sense of pride and celebration across the campus of the Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya. Teachers, officers, staff members, researchers, and students described it as a matter of pride not only for the University but also for the entire Hindi community. The honour also reflects the growing global recognition of Hindi and the increasing international interest in Indian languages and culture.